

प्रसाधारण

### **EXTRAORDINARY**

भाग **II—ख•**ह 3—उपस**•ह** (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, सोमवार, नवस्वर 25, 1974/ ग्रग्रहायण4, 1896

No. 301] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 25, 1974/AGRAHAYANA 4, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS (Indian Posts and Telegraphs Department)

(P. & T. Board)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November 1974

G.S.R. 665(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

- 1. (1) These Rules may be called the Indian Telegraph (Tenth amendment) Rules, 1974.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Indian Telegraph Rules, 1951, for rule 416, the following rule shall be substituted, namely:—
  - "416. Powers of Telegraph Authority.—The Telegraph Authority may, if it considers it necessary to do so, refuse to comply with any application for a telephone or similar service or for alterations of any such existing service and may after giving the subscriber, a notice in writing stating the reasons for the withdrawal, withdraw either totally or partially any telephone or similar service provided under these rules; provided that in emergent cases such notice may be given to the subscriber within a period of seven days after the withdrawal has been effected."

[No. 11-34/73-PHA.]

H. C. MATHUR,

Director of Telephones (E).

### संचार मंत्रालय

(भारतीय डाक तार विभाग)

(डाक्र-तार बोर्ड)

# श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1974

सां का विक 665 (भ).—भारतीय तार श्रिधितियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने एतद्द्वारा भारतीय तार नियमा-वाली, 1951 में थागे संशोधन करने के लिए निम्सवर्ती मियम बनाये हैं; श्रर्थात :——

- 1. (1) इन नियमों की भारतीय तार (10 वां संशोधन) नियम, 1974 कहा जाए।
- (2) वे सरकारी राजपल में प्रकाणन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारतीय तार नियमांवली, 1951 के नियम 416 के स्थान पर निम्नवर्ती नियम प्रति-स्थापित किया जाएगा:—
- "416. तार प्राधिकारी की शिक्तयां.—नार प्राधिकारी यदि ऐसा करना आवश्यक समझें नो टेलीफोन के लिए या इसी प्रकार की सेवा के लिए या मौजूदा सेवा में किसी तबदीली केलिए दिये गये आवेदन पर कार्रवाई करने से इंकार कर सकता है और उपभोक्ता को सेवा वापिस लेने के कारणों को बनाते हुए लिखित नोटिस देने के बाद इन नियमों के अन्तर्गत व्यवस्था की गई किसी टेलीफोन या इभी प्रकार की सेवा को पूर्ण रूप से या आशिक रूप से बन्द कर सकता है, किन्तु आपत्कालीन मामलों में सेवा बन्द करने के बाई शांत दिनों की अविध के भीतर उपभोक्ता को ऐसा नीटिस दिया जो सकता है।"

[सं॰ 11-34/73-पी० एच० ए० ]

हरिक्चन्द्र माथुर, निदेशक फोन (ई) ।